POWER (SINCHAI AUR VIDYUT MANTRI) be pleased to state :

(a) the amount of loss sustained by the National Projects Construction Corporation Ltd. during the last three years ; and

(b) the steps taken by Government to cut down the administrative and other expenditure of the Corporation and to ensure its economical working ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER (SINCHAI AURVIDYUT MANTRALAYA MEN UP-MANTRI) (SHRI B. N. KUREEL) : (a) The loss incurred by the National Projects Construction Corporation during the last three years is as follows :

1968-69	Rs. 104.99 lakhs
1969-70	Rs. 100.17 lakhs
1970-71	Accounts not yet finalised.

(b) a number of steps have been taken to improve the working of the Corporation. In order to effect economies in Administrative overheads, the strength of staff at the Headquarters Offices and field units is constantly kept under review. A number of posts have been abolished and certain vacancies have not been filled in. Further economies have been effected in contingent expenditure of the offices at Headquarters and the field units. A number of steps are being taken for ensuring more economical working. The system of execution of work by departmental labour and/or piece worker is being frequently reviewed to ensure the maximum economy in the execution of works. Steps have been taken to minimise the types of equipment to ensure economy in maintenance and also to dispose of machinery declared obsolete or not considered fit for economical utilisation by the Corporation. Efforts are being made to secure more orders so as to reduce the burden of over heads.

कतकू बाँध परियोजना की प्रगति

208. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या **सिंचाई और विद्युत् मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बिहार में कतकू बांध परियोजना के संबंध में क्या प्रगति हुई है और केंद्रीय सरकार द्वारा इस योजना के लिए कितनी धन राशि उपलब्ध कराई गई है ; और

(ख) क्या उक्त परियोजना के लिए राज्य सरकार अपना पूर्ण सहयोग प्रदान नहीं कर रही है ?

सिंचाई और विद्युत् मंत्रालय में उप मंत्री (श्री बैजनाथ कुरील) : (क) उत्तरी कोयल नदी पर कतकू पर एक बांध के लिए परियोजना रिपोर्ट की, जो बिहार सरकार से प्राप्त हुई है, इस समय केंद्रीय जल और विद्युत् आयोग में जांच हो रही है ।

(ख) नहीं ।

बिहार के तिलैया बांध परियोजना में प्रगति

209. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या **सिंचाई और विद्युत् मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) तिलैया बांध परियोजना, जहाँ से एक नहर निकाल कर गया जिले के रजोली क्षेत्र को पानी सप्लाई करने का विचार है, के संबंध में क्या प्रगति हुई है ; और

(ख) क्या यह सच है कि उक्त परियोजना के लिए राज्य सरकार अपना पूर्ण सहयोग प्रदान कर रही है ?

सिंचाई और विद्युत् मंत्रालय में उप मंत्री (श्री बैजनाथ कुरील) : (क) और (ख). दामोदर घाटी निगम के वर्तमान तिलैय्या बांध से जल के व्यपवर्तन के लिए राज्य सरकार के प्रस्तावों की दामोदर घाटी नियम द्वारा नियुक्त एक विशेषज्ञ समिति

द्वारा जिसमे केंद्रीय जल और विद्युत् आयोग, दामोदर घाटी नियम, बिहार सरकार और पश्चिम बंगाल सरकार के प्रतिनिधि है, जाच की जा रही है ।

हजारी बाग (बिहार) में कागज मिल का स्थापित किया जाना

210 **श्री शकर दयाल सिह** क्या **औद्योगिक विकास** मत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या हजारी बाग जिले के जंगलो से डालमिया नगर कागज मिल को लकडी और बास के सप्लाई किए जाने को ध्यान मे रखते हुए हजारी बाग जिले मे ही एक बडी कागज मिल स्थापित करने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है, और

(ख) क्या बिहार के हजारी बाग जिले मे औद्योगिक बस्ती स्थापित करने का प्रस्ताव भी सरकार के विचाराधीन है ?

औद्योगिक विकास मंत्रालय मे राज्य-मत्री (श्री घनश्याम ओझा) (क) हजारीबाग जिले मे सरकारी क्षेत्र मे बडी कागज मिल स्थापित करने का कोई प्रस्ताव नही है । फिर भी लुगदी तथा कागज बनाने के लिए डालमिया नगर की एक गैर-सरकारी फर्म से विद्यमान कार्य के विस्तार के लिए आवेदन प्राप्त हुए हैं जो सरकार के विचाराधीन है ।

(ख) सूचना इकट्ठी की जा रही है और सभा-पटल पर रख दी जायेगी ।

राष्ट्रीय कोयला विकास निगम तथा 'हिन्दुस्तान स्टील बाहरी' के लिए माल डिब्बों की कमी

211. **श्री शकर दयाल सिंह** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि .

(क) क्या यह सच है कि कोयला क्षेत्रो को विशेषकर माल डिब्बो की कमी के कारण अत्यन्त कठिनाई उठानी पडी थी और कोयला उद्योग प्राय ठप्प हो गया है ; और

(ख) क्या यह भी सच है कि गैर-सरकारी उद्योग अपने निजी प्रयास से माल डिब्बे प्राप्त कर लेते हैं परन्तु राष्ट्रीय कोयला विकास निगम और हिन्दुस्तान स्टील बाहरी को माल डिब्बो की कमी की समस्या का लगातार सामना करना पड रहा है ?

रेल मत्री (श्री हनुमन्तैया) (क) 1969-70 की तुलना मे—1970-70 मे बाहरी कोयला क्षेत्रो से कोयले के लदान मे सुधार हुआ है । चालू वर्ष मे भी यही रुख कायम है । लेकिन पिछले वर्ष की तुलना मे 1970-71 मे पश्चिम बगाल और बिहार कोयला क्षेत्रो से कोयले के लदान मे कमी हुई है । यह आशिक रूप से अगस्त, 1970 तक पिछले वर्ष की तुलना मे माग मे कमी आने कारण और उसके बाद यह कमी पूर्वी क्षेत्र मे रेलो द्वारा गभीर कठिनाइयो का सामना करने के कारण हुई जो उनके नियत्रण के बाहर थी ।

(ख) जी नही ।

Industrial concerns with American Collaboration

212 SHRI SURENDRA MOHANTY : Will the MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) (AUDYOGIK VIKAS MANTRI) be pleased to state :

(a) the number of industrial concerns established under Indo-American collaboration so far, and

(b) the total quantum of loan and/or assistance received by these concerns from